

१२/३/२०१७

पञ्चावली प्रकृत्य नक्षत्र प्राणी
में मूल वात में विवाह करवा
नहीं होना जायि मूल स मूल
वात श्रम दाणी श्रम फेरी-
म शरीर के पुन हो कर
मह प्र. व नी चलने दोष कर
होत स प्रकृत्य म इती लता
स अर्धवली सजक की अती
है पञ्चावली फेरील गुण है म नक्ष
स काम के

